अपाहिज पशुओं में कृत्रिम पैर का प्रत्यारोपण

गत वर्ष सिहोरा निवासी श्री अनिल सेन लगभग एक वषोय बछिया जो कि पिछले 05 महिनों से अगले दाहिने पैर के निचले हिस्से में वृहद ट्यूमर से पीडित थी, को इलाज के लिए टी.वी.सी.सी, पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर लेकर आए थे। एक्स–रे करने के बाद ज्ञात हुआ कि ट्यूमर ऊपर की ओर मेटाकारपल अस्थि तक फैला हुआ था, जिसके कारण बछिया के पैर को शल्य क्रिया कर ऊपर से काटा गया एवं निकाले गये ट्यूमर का पैथोलाजिकल जाँच में फायेब्रोसारकोमा होना पाया गया।

एक माह पश्चात कटे हुये पैर में मवाद पड़ने के कारण गले हुए भाग को पुनः शल्य क्रिया द्वारा निकाल कर लेजर थेरेपी द्वारा घाव को भरा गया। उसके पश्चात बछिया में मनुष्यों की तरह कृत्रिम पैर लगाने का निर्णय लिया गया। डॉ0 शोभा जावरे एवं इन्टनशिप की छात्रा पल्लवी वत्स द्वारा विभाग प्रमुख डॉ0 व्ही.पी.चन्द्रपुरिया एवं डॉ0 अपरा शाही के मार्गदर्शन में आई.आई.आई.टी, जबलपुर की निदेशक डॉ0 अपराजिता ओझा, मेकेनिकल विभाग प्रमुख डॉ0विजय गुप्ता एवं कृष्णा लेग जयपुर के पशु चिकित्सक डॉ0 तपिश माथुर से गहन विचार विमश कर जामदार अस्पताल में कार्यरत आर्थोटिक्स तकनीशियन श्री राकेश आहिरवार के सहयोग से बछिया के पैर का प्लास्टर आफ परिस पावडर द्वारा मोल्ड बनाकर पोलीप्रापीलोन फाइबर द्वारा कृत्रिम पैर बनाकर सफलतापूर्वक लगाया गया। कृत्रिम पैर लगाने में डॉ0 रणधोर सिंह का भी सहयोग रहा।

भविष्य मं बछिया की बढ़ती हुई उम्र के अनुसार ऊंचाई को ध्यान में रखते हुए आई.आई.आई.टी के स्नातकोत्तर छात्रों एवं भारतीय कृत्रिम पैर निमाण संस्थान (ALIMCO) रिछाई, जबलपुर में कार्यरत विशेषज्ञ डॉ0 संकेत रावत के सहयोग से कृत्रिम पैर में परिवर्तन किये गये जिसमें पैर की लम्बाई पशु की बढती हुई लम्बाई अनुसार किये जाने का प्रावधान है। इसी पहल के चलते श्री शिवम यादव के तीन माह के बछड़े का पिछला पैर कट जाने के बाद कृत्रिम पैर लगाया गया।

मूक पशुओं के कल्याण एवं उनके महत्व को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपरण बोर्ड (MANDI) भोपाल में "पशुओ के लिए पुर्नवास" विषय पर 1 करोड 67 लाख रूपयो की परियोजना एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के डिजाईन एवं इनोवेटिव सेंटर में "गायो में कृत्रिम पैर का प्रत्यारोपण" विषय में 10 लाख रूपयो की परियोजना जमा की गई है। दोनो ही परियोजनाएं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 प्रयाग दत्त जुयाल के अग्रणी प्रयासों द्वारा पशु कल्याण की दिशा में विचाराधीन है एवं भविष्य में अपाहिज पशुओं के जीवन के लिए वरदान सिद्ध होंगी।

डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव
सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.चि.वि.वि., जबलपुर